15/05/2020

B.Ed.
Subject – (Computer Science Teaching) Ist Year
Topic – (Development of Computer)

कम्प्यूटर का विकास

कम्प्यूटर के विकास की प्रक्रिया सन 1946 के बाद से आज तक लगातार चल रही है। जैसे - जैसे इलैक्ट्रॉनिक पुर्जो मे विकास होता गया, वैसे - वैसे कम्प्युटर के विकास का नया चरण प्रारम्भ होता गया। कम्प्यूटर के विकास के बारे मे जानकारी से पूर्व हम कम्प्यूटर मानक डिजाइन की महत्वपूर्ण जानकारी जानते है –

वॉन न्यूमेन का कम्प्यूटर मानक डिजाइन

सन 1946 मे कैम्ब्रेज वि० वि० में प्रसिद्ध गणितज्ञ जॉन वॉन न्यूमेन की अध्यक्षता मे 'इलैक्ट्रानिक कम्प्यूटर के डिजाइन' विषय पर की गयी चर्चा में उस समय के कम्प्यूटर विशेषज्ञों द्वारा कम्प्यूटर से जुड़ी निम्न आवश्यकताओं पर बल दिया गया –

1) कम्प्यूटर मे आँकड़ो का सचंयन द्वि आधारी (Binary) अंक पद्धति के रूप मे होना चाहिए।

2) कम्प्यूटर का निर्माण इस प्रकार होना चाहिए कि इसमें प्रविष्ट किये गये आँकड़ो एवं उनके प्रयोग के लिए निर्देशो मे इच्छानुसार परिवर्तन भी किया जा सके।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

(3) कम्प्यूटर इतना सक्षम हो कि इसमे आंकड़ो के संचयन के अतिरिक्त प्रोग्राम्स अर्थात क्रमबद्ध निर्देशों को भी संचित करके उनके अनुरूप आंकड़ो का प्रयोग करके स्वत: ही परिणाम प्रस्तुत कर सकें।

अत: भविष्य के कम्प्यूटर्स के लिए मानक डिजाइन, जिसको कि 'वान न्यूमेन' डिजाइन का नाम दिया गया, का निर्धारण इस गोष्ठी मे किया गया।

कम्प्यूटर के विकास की पीढ़ियाँ

कम्प्यूटर मे प्रयोग किये गए मुख्य इलेक्ट्रानिक पुर्जों के आधार पर कम्प्यूटर के विकास के चरणों को पांच पीढ़ीयो मे बांटा गया है -

(1) पहली पीढ़ी (सन 1946-1956 तक)
(2) दूसरी पीढ़ी (सन 1956 से 1964 तक)
(3) तीसरी पीढ़ी (सन 1964 - 1970 तक)
(4) चौथी पीढ़ी (सन 1970 - 1985 तक)
(5) पांचवी पीढ़ी (सन 1985 - आज तक)

Continue - - -

Scanned with CamScanner